एस.बी.डी. राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सरदारशहर, जिला–चूरू (राज.)

विवरणिका

सत्र – 2015–16

(आई.आर.जांगिड़)
प्राचार्य
राजकीय महाविद्यालय
सरदारशहर

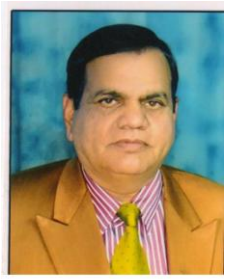

प्रो. ईश्वर राम जांगिड़

प्राचार्य

प्राचार्य संदेश

विद्यालयी शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात् नव सत्र में महाविद्यालय में उच्च शिक्षा के सोपान पर आपके कदम रखने के लिए मेरी हार्दिक शुभ कामनाएँ। महाविद्यालय में शिक्षा पाने का अवसर सौभाग्यशाली व्यक्ति को ही मिलता है, जिसमें से आप भी एक हैं। उच्च शिक्षा अर्जित करने वाले शिक्षार्थी अपने भविष्य को उन्नत बनाना चाहते हैं, इसके लिए उन्हें कठोर परिश्रम करना पड़ता है। महाविद्यालय में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान संकाय के लगभग सभी विषय प्रवेश हेतु उपलब्ध हैं। महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय शिक्षा केन्द्रों के रूप में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को सर्वांगीण बनाते हैं। बौद्धिक योग्यता, शारीरिक क्षमता व मानसिक संवदेना की दृष्टि से सक्षम विद्यार्थी ही सभ्य एवं सुसंस्कृत समाज के निर्माण में योगदान करते हैं। आप इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे, मैं ऐसी आशा करता हूँ।

आप साहित्य, कला, संस्कृति, इतिहास, ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त कर उच्च बौद्धिक क्षमता अर्जन करेंगे तथा खेलकूद व अन्य गतिविधियों में भाग लेकर शारीरिक कौशल में वृद्धि करेंगे ऐसा मेरा विश्वास है। महाविद्यालय की रचनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहकर आप इस महाविद्यालय का गौरव बढायेंगे।

महाविद्यालय अपने अनुशासित विद्यार्थियों के लिए अपने प्रारम्भिक काल से ही विख्यात रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि महाविद्यालय में अनुशासन बनाए रखने में आप पूर्ण सहयोग देंगे।

आपको सुखद एवं सफल महाविद्यालयी शिक्षा प्रदान करने के लिये मैं हमेशा प्रयासरत रहूँगा।

(आई.आर.जांगिड़)

प्राचार्य

महाविद्यालय का परिचय

बीकानेर स्टेट के महाराजा श्री रतनसिंह बीका के सुपोत्र श्री सरदारसिंहजी के नाम पर थली अँचल में सन् 1839 ईस्वी में सरदारशहर नगर की स्थापना हुई। सरदारशहर में उच्च शिक्षा का प्रारम्भ 1951 ई. में हुआ। इस वर्ष गंगा गोल्डन जुबली हाई स्कूल को इण्टरमीडिएट कॉलेज के रूप में क्रमोन्नत किया गया।

सन 1958 ई. में बाबू जब्बरमलजी दूगड़ ने अपने पिता स्व. सेठ बुद्धमल दूगड़ की पुण्यस्मृति में डेढ़ लाख रूपये प्रदान किये। उक्त राशि से महाविद्यालय के 15 कमरों का निर्माण हुआ। भवन का शिलान्यास तत्कालीन राज्यपाल सरदार गुरूमुख निहालसिंह के करकमलों से 12 जनवरी 1959 को सम्पन्न हुआ। 01 नवम्बर 1960ई. को राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री मोहनलाल सुखाड़िया के करकमलों से महाविद्यालय का उद्घाटन किया गया। सेठ बुद्धमलजी दूगड़ कॉलेज ही एस.बी.डी. राजकीय महाविद्याल के नाम से जाना जाता हे।

भारत सरकार की क्षेत्रीय कार्य परियोजना के अन्तर्गत सत्र 1965–66 ई. में जिम्नेजियम हॉल बनवाया गया। इसके निर्माण में स्व. रूघाराम जी आँचलिया स्मृति में श्री सोहनलालजी आँचलिया ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया एवं इन्होंने महाविद्यालय में प्याऊ भी बनवाई।

स्त्र 1970–71 में सेठ श्री भंवरलालजी कर्वा पुत्र श्री घनश्यामदासजी कर्वा ने अपनी धर्मपत्नी विमलादेवी कर्वा की स्मृति में श्रीमती विमलादेवी कर्वा विज्ञान भवन(रसायनशास्त्र, भौतिक शास्त्र, एवं प्राणीशास्त्र की प्रयोगशलाओं सहित) का निर्माण करवाया। इस विज्ञान भवन के पूर्व और पश्चिम में रसायन शास्त्र एवं प्राणीशास्त्र के व्याख्यान कक्ष राजस्थान सरकार ने बनवाया। सन 1983 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से विशाल पुस्तकालय भवन बनवाया। सन 1991 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से वनस्पतिशास्त्र की प्रयोगशाला एवं दो व्याख्यान कक्ष बनवाए गये। सन 1991–92 में राजस्थान सरकार ने भूगोल और एक व्याख्यान कक्ष बनवाया। श्रीमती विमला देवी कर्वा विज्ञान भवन के दक्षिण में राष्ट्रीय सेवा योजना वाटिका में श्री रविप्रकाश दूगड़ पुत्र श्री भँवरलालजी दूगड़ ने भी एक भव्य फव्वारा बनवाया।

डॉ. महेश शर्मा सदस्य राज्यसभा द्वारा स्थानीय संसदीय क्षेत्र विकास योजना के अन्तर्गत कम्प्यूटर कक्ष सत्र 1998–99 में बनवाया गया एवं तत्कालीन शिक्षा मंत्री प्रो. ललितकिशोर चतुर्वेदी द्वारा डिग्री कॉलेज का यह कक्ष राजस्थान के सहयोग से उद्घाटित हुआ।

- ☞ सन 1999–2000 में कारगिल शहीद वाटिका एवं शहीद स्मारक का निर्माण गांव सेवा प्रन्यास, सरदारशहर के नेतृत्व में जनसहयोग से तत्कालीन कार्यवाहक प्राचार्य डॉ. कन्हैयालाल सींवर "सर्जन" ने अपने निर्देशन में पूर्ण करवाया।
- ☞ सन् 2000–01 में श्रीमती बरजीदेवी बच्छावत धर्मपत्नी स्व. श्री मूलचन्दजी बच्छावत, सुपुत्री स्व.श्री माणकचन्दजी दूगड़ (जौहरी) द्वारा जीवन विज्ञान एवं जैन विद्या प्रेक्षाध्यान हॉल (मय फर्नीचर एवं अन्य सामग्री) का निर्माण करवाया।
- ☞ सन् 2000–01 में छात्रसंघ अध्यक्ष श्री हसंराज सिद्ध पुत्र श्री भीमनाथ सिद्ध एडवोकेट ने अपने दादाजी स्व. श्री गणपतनाथ जी सिद्ध की स्मृति में छात्रसंघ कक्ष का निर्माण करवाया।
- ☞ सन् 2001–02 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से चित्रकला प्रयोगशाला का निर्माण हुआ।
- ☞ सन् 2003–04 में श्री प्रकाशचन्द कर्वा सुपुत्र श्री भँवरलालजी कर्वा ने श्रीमती विमला देवी कर्वा विज्ञान भवन का जीर्णोद्धार करवाया।
- ☞ सन् 2003–04 में श्री पोकरमलजी बुच्चा ट्रस्टी सुगन धर्म चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एक भव्य प्याऊ का निर्माण करवाया गया।
- ☞ सन 2006–07 में जैन विद्या एवं जीवन विज्ञान का विस्तार करते हुए स्व. श्रीमती सीरूदेवी दूगड़ एवं बुद्धमल दूगड़ जौहरी की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्रों द्वारा

माणिकचन्द माली देवी दूगड़ चेरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से एक हॉल, एव तलघर (ध्यान कक्ष) जल भण्डारण टैंक एवं विभाग तक सीमेंट रोड़ का निर्माण करवाया।

- ☞ सन् 2007–08 में स्व. श्री कमलाराम जी सोनी की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र श्री स्वरूपजी सोनी द्वारा नलकूप बनवाया गया।
- ☞ सन् 2007–08 में श्री शिवचन्द सहू द्वारा एक वाटर कूलर (मय एक्वागार्ड एवं 500 लीटर वाटर टैंक) महाविद्यालय को भेंट किया गया।
- ☞ सन् 2007–08 में श्री सम्पतमलजी नाहटा द्वारा अपने पिता स्व. श्री जीवणमलजी नाहटा की स्मृति में महाविद्यालय की चार दीवारी एवं मुख्य द्वार का जीर्णोद्वार का कार्य करवाया गया।
- ☞ सन् 2011–12 में श्री हंसराज सिद्ध व छात्र नेता जितेन्द्र राजवी ने महाविद्यालय परिसर में सरस्वती की प्रतिमा का निर्माण करवाया जिसका अनावरण चिकित्सा राज्यमंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा के कर कमलों से सम्पन्न हुआ।
- ☞ सन् 2013–14 में तत्तकालिन विधायक श्री अशोक पींचा द्वारा क्षेत्रिय विधायक निधि से महाविद्यालय में रसायनशास्त्र प्रयोगशाला का निर्माण करवाया गया।

प्रवेश हेतु आवश्यक निर्देश

1. महाविद्यालय में बी.ए./बी.कॉम/बी.एस.सी. (बॉयो/गणित) प्रथम वर्ष के लिये आवेदन पत्र ऑन लाइन प्रवेश प्रक्रिया से कॉलेज शिक्षा निदेशालय की वैब साईट http://dce.rajasthan.gov.in पर भरे जायेगें।
2. एम.ए. पूर्वाद्ध (हिन्दी) के लिये प्रवेश आवेदन पत्र कॉमन एडमिशन फार्म भरा जायेगा। ऑफलाइन एडमिशन फार्म डाउनलोड कर पूर्ण भर कर महाविद्यालय में निर्धारित तिथि तक जमा करवायेंगे।
3. अध्यापन कार्य दिनांक 01.07.2015 से प्रारम्भ होगा। बी.ए./बी.कॉम/बी.एस.सी. (बॉयो/गणित) के द्वितीय, तृतीय एवं एम.ए. उत्तरार्द्ध (हिन्दी) के प्रवेश फॉर्म नहीं भरे जायेगे, उन्हें महाविद्यालय में निर्धारित शुल्क जमा करवानी होगी।
4. प्रवेश नीति एवं शैक्षणिक सत्र सारणी सत्र 2015–16 निदेशालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर की वैब साईट http://dce.rajasthan.gov.in पर देखें।
5. विलम्ब शुल्क के साथ प्रवेश आवेदन –पत्र जमा करवाने की प्रक्रिया अब राज्य सरकार ने समाप्त कर दी है।
6. विवरणिका में प्रकाशित प्रवेश–नीति एवं शैक्षणिक सत्र सारिणी 2015–16 अच्छी तरह से पढ़कर, निर्देशों के अनुरूप आवेदन पत्र भरा जाए।
7. विद्यार्थी का प्रथम कर्त्तव्य है कि वह कॉलेज के सूचना पट्ट पर लगी सूचनाएं ध्यान से पढ़कर उनकी अनुपालना करें।
8. प्रवेशार्थी सीनियर सैकेण्डरी/समकक्ष परीक्षा की मूल अंकतालिका कम से कम पन्द्रह प्रमाणित फोटो प्रतियाँ अपने पास रख लेवें,ताकि आवश्यकतानुसार समय–समय पर उनका उपयोग किया जा सकें।
9. महाविद्यालय में प्रवेश राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रवेश नीति के अनुसार दिया जाता है।
10. प्रथम वर्ष की कक्षाओं में मैरिट के आधार पर प्रवेश दिये जायेंगे।
11. मैरिट की गणना राज्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार की जायेगी।
12. अनुसूचित जाति, जन–जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, विकलांग एवं सामान्य वर्ग की मैरिट सूचियां अलग–अलग बनाई जायेगी।
13. प्रविष्ट किये जाने वाले प्रवेशार्थियों की मैरिट के आधार पर सूची कॉलेज के सूचना पट्ट पर निर्धारित तिथि को लगाई जायेगी। प्रवेश संबंधी समस्त सूचनाएँ भी कॉलेज सूचना पट्ट पर सूचित की जायेगी।
14. निर्धारित तिथि पर शुल्क जमा नहीं करवाने पर प्रवेश स्वतः ही रद्द हो जायेगा।

आवश्यक सूचना

1. नवीन सत्र में सभी भाग प्रथम, भाग द्वितीय, भाग तृतीय की कक्षाओं में दिनांक 01.07.2015 से अध्यापन कार्य शुरू हो जायेगा।

संकायवार विषयों के वर्ग

महाविद्यालय में विद्यार्थियों को प्रवेश, स्वीकृत वर्गो तक ही सीमित है। समस्त संकायों में किसी भी कक्षा/वर्ग में विद्यार्थियों की निर्धारित संख्या से अधिक प्रवेश देय नहीं है। यह संख्या वर्तमान में स्नातक स्तर पर कला एवं वाणिज्य के लिए 80 तथा विज्ञान हेतु प्रति सैक्शन 70 निर्धारित की गई है।

महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर से सम्बद्ध इस महाविद्यालय में निम्नलिखित कक्षाओं में अध्ययन की व्यवस्था है :—

कला संकाय

क्र. सं.	विषय	स्वीकृत वर्गों की संख्या
1.	सामान्य अंग्रेजी	06
2.	सामान्य हिन्दी	06
3.	प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग	06
4.	पर्यावरण अध्ययन	06
5.	हिन्दी साहित्य	02
6.	अंग्रेजी साहित्य	01
7.	संस्कृत	01
8.	समाज शास्त्र	02
9.	इतिहास	02
10.	भूगोल	02
11.	अर्थशास्त्र	01
12.	लोक प्रशासन	02
13.	चित्रकला	01
14.	जैन विद्या एवं जीवन विज्ञान (जैनोलॉजी)	02
15.	राजनीति विज्ञान	02

विज्ञान संकाय

क्र. सं.	विषय	स्वीकृत वर्गों की संख्या
1.	सामान्य अंगेजी	03
2.	सामान्य हिन्दी	03
3.	प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग	03
4.	पर्यावरण अध्ययन	03
5.	भौतिक शास्त्र	01
6.	रसायन शास्त्र	03
7.	गणित	01
8.	प्राणी शास्त्र	02
9.	वनस्पतिशास्त्र	02

वाणिज्य संकाय

क्र. सं.	विषय	स्वीकृत वर्गों की संख्या
1.	सामान्य अंगेजी	03
2.	सामान्य हिन्दी	03
3.	प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग	03
4.	पर्यावरण अध्ययन	03
5.	लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी	03
6.	व्यवसाय प्रबन्ध	03
7.	आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबन्ध	03

सूचनाः—बी.कॉम भाग प्रथम में केवल गैरवाणिज्यिक विद्यार्थियों के लिए निम्न लिखित विषय अनिवार्य है :—

(1) व्यवसाय अध्ययन एवं बैंकिग (2) बही खाता

स्नातक कक्षाओं के लिए वैकल्पिक विषय

अनिवार्य विषय :—

1. सामान्य हिन्दी 2.सामान्य अंग्रेजी 3.प्रारम्भिक कम्प्यूटर अनुप्रयोग
4. पर्यावरण अध्ययन।

वाणिज्य संकाय :—

(1) लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी (2) व्यवसाय प्रबन्ध
(3) आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबन्ध

विज्ञान संकाय :—

निम्नांकित विषय वर्ग समूह में से कोई एक विषय वर्ग :—

(A) 1. रसायन शास्त्र 2. भौतिक शास्त्र 3. गणित ।

(B) 1. रसायन शास्त्र 2. वनस्पतिशास्त्र 3. प्राणीशास्त्र।

कला संकाय :—

(A) 1. हिन्दी 2. भूगोल 3. इतिहास

(B) 1. संस्कृत 2. अंग्रेजी साहित्य 3. समाजशास्त्र 4. जैन विद्या एवं जीवन विज्ञान (जैनोलॉजी)

(C) 1. चित्रकला 2. अर्थशास्त्र 3. लोक प्रशासन 4. राजनीति विज्ञान

सूचना

संकाय/विषय परिवर्तन के लिए प्रवेश नीति 2015—16 को पढें एवं कठोरता से उसकी पालना करें।

रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम

(Career Oriented Programmers)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) की ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत इस कॉलेज को कैरियर ओरियेन्टेड प्रोग्राम स्वीकृत हुआ था। पुनः यह पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है।

सूचना एवं प्रौद्योगिकी (Infrormation &Computer Technology)

उक्त प्रोग्राम में प्रवेश हेतु स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी ही पात्र होंगे। सामान्य स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम के साथ—साथ अतिरिक्त रोजगारोन्मुखी विषय क्षेत्र मे कैरियर, ओरियेण्टेड प्रोग्राम अध्ययन हेतु उपलब्ध है। इस पाठ्यक्रम का महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता मिल गई है। इस प्रोग्राम को पूर्ण करने की अवधि के अनुरूप विद्यार्थियों को निम्नानुसार प्रमाण—पत्र व मार्कशीट दिए जायेंगे—

(1) कैरियर ओरियन्टेड विषय क्षेत्र का एक वर्षीय अध्ययन
पूर्ण करने पर ..... सर्टिफिकेट कोर्स प्रमाण—पत्र व मार्कशीट

(2) कैरियर ओरियेन्टेड विषय का दो वर्षीय अध्ययन
पूर्ण करने पर ..... डिप्लोमा प्रमाण—पत्र व मार्कशीट

(3) कैरियर ओरियेन्टेड विषय क्षेत्र का तीन वर्षीय अध्ययन
पूर्ण करने पर ..... डिप्लोमा प्रमाण—पत्र व मार्कशीट

उपरोक्त कैरियर ओरियेन्टेड प्रोग्राम में 40 स्थान स्वीकृत है। इनके लिए प्रति प्रोग्राम 1000/—रू प्रति विद्यार्थी शुल्क निर्धारित है।

नोटः— उपरोक्त प्रोग्राम में प्रवेश की प्रक्रिया स्नातक प्रथम वर्ष के पूर्ण होने पर पृथक से की जावेगी।

समन्वयक : श्री के. पी. मीणा

महाविद्यालय में पीएच.डी. सुविधा

महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय में पीएच.डी. सुविधा उपलब्ध है। डॉ. वी.वी. बड़थ्वाल, उपाचार्य एवं डॉ. एन.एल.सोनी,व्याख्याता—व्या.प्रशासन म.द.स.विश्वविद्यालय, अजमेर से रजिस्टर्ड शोध निदेशक है।

परिचय–पत्र

प्रवेश शुल्क जमा कराने के पश्चात् विद्यार्थी को अपना परिचय–पत्र बनवाना अनिवार्य है।

(1) परिचय–पत्र पर प्रवेश शुल्क की रसीद संख्या एवं दिनांक की पूर्ति आवश्यक है।
(2) पूरी तरह से भरे परिचय–पत्र बनवाने हेतु प्रवेश शुल्क की रसीद प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
(3) शैक्षणिक प्रकोष्ठ से परिचय–पत्र बनवाने हेतु प्रवेश शुल्क की रसीद प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
(4) प्रस्तुत किये जाने के तीसरे दिन हस्ताक्षरित परिचय–पत्र शैक्षणिक प्रकोष्ठ से प्राप्त किये जा सकेंगे।
(5) महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थी के पास सदैव परिचय–पत्र होना चाहिए।
(6) मूल परिचय–पत्र गुम हो जाने या नष्ट हो जाने पर 50 रू. शुल्क जमा करने पर डुप्लीकेट परिचय–पत्र जारी किया जायेगा।

STRUCTURE OF FEE AT THE TIME OF ADMISSION IN Ist YEAR DEGREE COURSE (SESSION 2014-15)

		Name of College	**S.B.D. Govt. PG College, Sardarshahar**				
S.No.		**Fee Type**	General Boys	General Girls	SC/ST /OBC/ SBC	Handicapet	Remarks
A. GOVERNMENT FEES							
1	1.01	Admission Fees	2	2	2	0	
	1.02	Tuition Fee (Income Tax Payer)	114	0	0	0	
	1.03	Tuition Fee (Non I. Tax Payer)	144	0	0	0	
	1.04	Lab Fees	100	100	100	0	Only Charge for Practial Subject
B. Elementary Computer Education Fee							
2	2.01	Computer Education	450	450	450	450	
C. Mahavidyalaya Vikas Samiti Fee							
3		**Mahavidyalay Vikas Samiti Fee (Total)**	**200**	**200**	**200**	**0**	
	3.01	Mahavidyalay Vikas samiti fee	200	200	200	0	
	3.02	Fees for any SFS Class/Subject	0	0	0	0	
	3.03						
	3.04						
D. Refundable Fee							
4	4.01	Caution Money	10	10	10	10	At first time admission
	4.02						
E. LOCAL FEE							
5		**Library Fee**	**75**	**75**	**39**	**0**	
	5.01	Library Fee	15	15	8	0	
	5.02	Library Card	5	5	3	0	
	5.03	Library Open shelf	10	10	5	0	
	5.04	Reading Room	10	10	5	0	
	5.05	College Magazine	30	30	15	0	
	5.06	Book Bank	5	5	3	0	
	5.07						

6		**Student Activities**	**30**	**30**	**20**	**10**	
	6.01	Cultural Activity	20	20	10	0	
	6.02	Planning Forum	0	0	0	0	
	6.03	Rangering	10	10	10	10	
	6.04	Literary Activity	0	0	0	0	
	6.05	Associations Fee	0	0	0	0	
	6.06	Eco Club	0	0	0	0	
	6.07	Entertainment fee	0	0	0	0	
	6.08						
	6.09						
7		**General Purpose Fee**	**220**	**220**	**108**	**0**	
	7.01	General Purpose fee	70	70	35	0	
	7.02	Student Help Fee	0	0	0	0	
	7.03	Terminal Test Fee	50	50	25	0	
	7.04	Environment Fee	0	0	0	0	
	7.05	Medical Check up Fee	5	5	3	0	
	7.06	Campus beautification Fee	20	20	10	0	
	7.07	Identity Card Fee	30	30	15	0	
	7.08	Postage	5	5	0	0	
	7.09	Internal Assessment	0	0	0	0	
	7.10	Misc.	10	10	5	0	
	7.11	Subject Council	0	0	0	0	
	7.12	Computer Wi-Fi	0	0	0	0	
	7.13	College Development	30	30	15	0	
	7.14						
8		**Games Fee**	**100**	**100**	**50**	**0**	
	8.01	College Games Fee	100	100	50	0	
	8.02						
	8.03						
9		**Student Union**	**50**	**50**	**25**	**0**	
	9.01	Student Union Fee	50	50	25	0	
	9.02	Student Union Council Fee	0	0	0	0	
	9.03	Student Union Activity Fee	0	0	0	0	
	9.04						
	9.05						
10		**Parking Fee**	**20**	**20**	**10**	**0**	
	10.01	Parking Fee	**0**	**0**	**0**	**0**	
	10.02	Cycle stand fee	20	20	10	0	
	10.03	Bike stand fee	0	0	0	0	
	10.04	Car stand fee	0	0	0	0	
	10.05						
11		**Girls Association Fee**	**0**	**0**	**0**	**0**	**All Girls**
	11.01	Girls Association Fee	0	0	0	0	
	11.02	Women Cell	0	0	0	0	
	11.03						
12		**Any Other Local Fee**	**0**	**0**	**0**		

	12.01						
	12.01						
	12.03						
F. Other Fee							
13	13.01	Insurance Fee					All students
	13.02		**50**	**50**	**50**	**50**	
	13.03						
G. University Fee							
14		**University Fee**	**300**	**300**	**300**	**300**	
	14.01	University Games Fee	100	100	100	100	
	14.02	Enrollment Fee	100	100	100	100	
	14.03	Elegiblity Fee	100	100	100	100	Only Charge for Other Board Students

शुल्क मुक्ति

(क) अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के छात्र शिक्षण शुल्क से मुक्त है, परन्तु अन्य शुल्क राशि आधी देय होगी। इस प्रकार की मुक्ति प्रथम श्रेणी के मजिस्ट्रेट से प्राप्त जाति प्रमाण–पत्र देने की तारीख से मान्य होगी।

(ख) राजस्थान सरकार के कर्मचारियों द्वारा संरक्षित छात्रों (आयकर नहीं देने वाले) से शिक्षण शुल्क नहीं लिया जाता है।

शुल्क मुक्ति के लाभ की सीमाएँ :–

वार्षिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाने पर तथा उपस्थिति की कमी के कारण यदि कोई छात्र परीक्षा से रोक दिया गया हो तो शुल्क मुक्ति के लाभ से वंचित कर दिया जायेगा।

पूर्ण शुल्क मुक्ति एवं अर्द्ध शुल्क मुक्ति :–

राजस्थान सरकार के स्थाई कर्मचारी पर निर्भर विद्यार्थी एंव पिछड़े वर्ग के छात्रों के अतिरिक्त प्रत्येक कक्षा के कुल 10 प्रतिशत विद्यार्थियों को पूर्ण/ अर्द्ध शुल्क मुक्ति का लाभ देय होगा।

टिप्पणियाँ

(1) कोई भी विद्यार्थी एक ही समय मे ंदो लाभ प्राप्त नहीं कर सकेगा।

(2) यदि छात्र का आचरण और उसकी अध्ययन में प्रगति प्राचार्य की दृष्टि में संतोषजनक नहीं हो तो उसे पूर्ण/अर्द्ध शुल्क मुक्ति के लाभ से वंचित किया जा सकता है।

रेल एवं बस सेवा से रियायतें

रेल्वे कन्सेशन :–

(1) विद्यार्थी को रेल्वे कन्सेशन केवल ग्रीष्मावकाश में प्रवेश आवेदन में अंकित घर के स्थाई पते पर जाने के लिए देय होगा।

(2) इसके अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर जाने के लि कन्सेशन नहीं दिया जायेगा।

बस कन्सेशन :–

बस कन्सेशन केवल दशहरा,दीपावली,शीतकालीन एवं ग्रीष्मावकाश मे ंही राजस्थान रोड़वेज से यात्रा करने हेतु प्रवेश आवेदन में अंकित घर के स्थाई पते पर जाने के लिए देय होगा।

टिप्पणी :–

बस अथवा रेल्वे कन्सेशन चाहने वाले विद्यार्थी को अपना प्रार्थना पत्र यात्रा की निर्धारित तिथि से सात दिन पूर्व शैक्षणिक प्रकोष्ठ में जमा करवाना होगा। प्रार्थना पत्र देने के 7 दिन के अन्दर शैक्षणिक प्रकोष्ठ से ही विद्यार्थियें को कन्सेशन प्रपत्र दिया जा सकेगा।

एस.बी.डी.राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सरदारशहर (राज.)

पुस्तकालय विभाग

इस महाविद्यालय में एक समृद्ध पुस्तकालय है, जिसमें सभी विषयों से सम्बन्धित एवं ज्ञान–विज्ञान विषयक लगभग 42356 पुस्तकें उपलब्ध है, जिनमे से छात्र स्वयं अलमीरा के सम्मुख जाकर अपनी रूचि की पुस्तक का चयन कर सकते है। किन्तु प्रत्येक छात्र से अपेक्षा की जाती है कि वह निम्नलिखित नियमों का पालन करेगा :–

1. पुस्तकालय में प्रवेश करने से पूर्व सूचना बोर्ड का अवलोकन करे। परिचय पत्र साथ लावें व अन्य सामान को गेट पर रखें।
2. पुस्तकें लेते समय अच्छी तरह से देख ले, यदि क्षतिग्रस्त हो तो संबंधित कर्मचारी के उस पर हस्ताक्षर करा ले, ऐसा नहीं करने पर क्षतिग्रस्त पुस्तक की जिम्मेदारी छात्र की होगी।
3. कोई भी छात्र एक पुस्तक को 15 दिन तक रख सकता है। इस अवधि के पश्चात् लौटाई गई पुस्तक पर 50 पैसे प्रतिदिन के हिसाब से विलम्ब शुल्क लिया जायेगा।
4. पुस्तकों का पन्ना मोड़ना उन पर लिखना बाईंडिग खराब करना या किसी प्रकार से क्षतिग्रस्त करना दण्डनीय अपराध है। खोई हुई या खराब की गई पुस्तक का दो गुना मूल्य वसूल किया जायेगा।
5. निम्नांकित सामग्री पुस्तकालय से नहीं दी जायेगी

1. पाण्डुलिपियां 2. सन्दर्भ ग्रन्थ 3. दुर्लभ ग्रन्थ 4 वह सामग्री जो पाठ्य कक्ष और वाचनालय से संबंधित हो।

6. परीक्षा में बैठने व प्रवेश प्राप्त करने से पूर्व छात्र को पुस्तकालय की समस्त सामग्री जमा करवाकर अदेय प्रमाण–पत्र प्राप्त करना होगा। छात्रों को यह सुविधा दी जाती है कि उनको प्रदान की गई पाठ्यपुस्तक का दोगुना मूल्य जमा करवाकर उसे परीक्षा समय में अपने पास रख सकते है, किन्तु परीक्षा समाप्त होने के 15 दिन बाद तक पुस्तक जमा नहीं करवाई गई तो छात्र की राशि जब्त कर ली जायेगी। यह सुविधा बुक बैंक की पुस्तकों पर लागू नही होगी।
7. पुस्तकालय में मद्यपान करना, धूम्रपान करना, थूकना, शोर करना, चोरी करना अनावश्यक रूप से बैठकर बातें करना, दुर्व्यवहार करना सख्त मना है। इनमे लिप्त पाये जाने पर पुस्तकालय अधिकारियों को यह अधिकार होगा कि वे ऐसे छात्र को पुस्तकालय का उपयोग करने से वंचित कर सकें।
8. पुस्तकालय आपका अपना है। इसे व्यवस्थित एवं स्वच्छ रखने, शांति बनाये रखने में अपना सहयोग प्रदान करें।
9. पुस्तकालय काउन्टर से भी पुस्तकें आवश्यकतानुसार आदान–प्रदान की जावेगी।
10. विद्यार्थी अपनी सुविधानुसार रिक्त कालांश में स्वाध्याय हेतु वाचनालय का सदुपयोग करें।

नोट :– प्रत्येक शनिवार व अशैक्षणिक दिवस को पुस्तक लेने–देन का कार्य नहीं होगा।

–पुस्तकालयाध्यक्ष

राष्ट्रीय सेवा योजना N.S.S.

एन.एस.एस. राष्ट्र के प्रति युवाओं में अटूट विश्वास का रूप है। अपने शैशव से यौवन की यात्रा में एन.एस.एस. ने शैक्षिक परिसरों को समाज से जोड़ने का कार्य किया तथा सार्वजनिक हित में अनेक योजनाएं क्रियान्वित की है। राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रमुख उद्देश्य यह है कि छात्र शिक्षा के साथ–साथ समाज सेवा के माध्यम से अपने व्यक्तित्व का विकास कर राष्ट्र भक्त एवं योग्य नागरिक बने। कार्यक्रम को अभिनव बनाने के लिए राष्ट्रीय एकता,एड्स के प्रति जागरूकता बस्ती गोद लेन की अनिवार्यता, कन्या भ्रूण हत्या उन्मूलन, साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, महिला विकास एवं उत्थान तथा बंजर भूमि विकास राष्ट्र/प्रदेश के द्वारा संचालित विकास कार्यक्रमों की जानकारी देने आदि कार्यक्रमों की एकीकृत रंग में एन.एस.एस. के साथ जोड़ा गया है। एन.एस.एस. के साथ जुड़कर छात्र/छात्राएं महत्वपूर्ण विषय के बारे में जागरूक हो सकते हैं तथा इस प्रकार समाज के एक सक्रिय नागरिक बन सकते है। एन.एस.एस.में छात्रों का नियमित गतिविधियों के अन्तर्गत दो वर्ष में 240 घण्टे रा.से.यो द्वारा प्रदत कार्य करना होता है। नियमित गतिविधियेां के लिए छात्रों के लिए विभिन्न विषयों पर पुनर्विचार वाद–विवाद, आशुभाषण, क्विज, जागरूकता आदि कार्यक्रम महाविद्यालय/बस्ती में आयोजित किए जाते है। उत्कृष्ट कोटि के कार्य करने वाले स्वयं सेवकों को प्रत्येंक वर्ष राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर पर पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया जाता है।

महाविद्यालय में राज्य सरकार द्वारा एन.एस.एस. की 2 इकाईयॉ स्वीकृत है। कुल 200 छात्र/छात्राएं पंजीकृत किए जाते है। एन.एस.एस. गतिविधियों में भाग लेने के लिए कोई पंजीकरण शुल्क देय नहीं है, परन्तु इच्छुक छात्र–छात्राओं को एक आवेदन पत्र भरना आवश्यक है।

इस महाविद्यालय में इस समय राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाईयॉ संचालित है जिनके कार्यक्रम अधिकारी **श्री सन्त कुमार मीणा** (प्रवक्ता वनस्पतिशास्त्र) एवं **श्री नवीन कुमार पारीक** (प्रवक्ता –अंग्रेजी) है।

राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों इस प्रकार संयोजित की जाती है :–

1. नियमित गतिविधियाँ	–	सप्ताह में दो दिन
2. एक दिवसीय शिविर	–	कुल तीन
3. विशेष आवासीय शिविर	–	एक (कुल 7 दिन का)

"रोवर रेंजर (स्काउट)"

नवयुवकों में आस्था, देशप्रेम, उच्च विचार, सादा जीवन, प्रकृति प्रेम, मानवता परोपकार आत्मनिर्भरता श्रम की महता आदि गुणों के विकास के उद्देश्य को लेकर इस महाविद्यालय में रोवर स्काउटिंग कार्यक्रम चलाया जाता है। इस महाविद्यालय के रोवर स्काउटिंग वर्ष में रोवर मूट, साहसिक शिविर रोवर स्काउटिंग प्रतियोगिता समाज सेवा भ्रमण तथा अन्य कई प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लेते है। वर्तमान में रोवर स्काउटिंग प्रभारी **श्री शेर सिंह** (प्रवक्ता–अर्थशास्त्र) एवं **डॉ. सुमन सिंह,** (प्रवक्ता–लोकप्रशासन) है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

N.C.C.

राष्ट्रीय कैडेट कोर इस महाविद्यालय में कैप्टन **श्री सोहनलाल** (प्रवक्ता चित्रकला) एन.एस.सी. ऑफिसर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सुरक्षा सेवा के कार्यक्रमों में अग्रणी रहा है। एन.सी.सी. में अनेक कीर्तिमान स्थापित कर अतुलनीय कार्य किया है। इस महाविद्यालय में एन.सी.सी. के 53 कैडेट्स की एक प्लाटून है। आर्मी अटैचमेन्ट कैम्प, बेसिक, लीडरशीप, कैम्प, गणतंत्र दिवस कैम्प, अखिल भारतीय थलसेना कैम्प मे यहॉ के कैडेट्स ने कीर्तिमान स्थापित किये है।

खेल कूद
SPORTS

स्वस्थ शरीर मे स्वस्थ समाज का विकास होता है। खेलों का जीवन में बहुत महत्व है। महाविद्यालय का क्रीड़ा विभाग, वॉलीबाल, फुटबाल, हॉकी, क्रिकेट, टेबिल टेनिस, बैडमिन्टन, कबड्डी, बॉस्केटबाल, एथलेटिक्स, कुश्ती आदि खेलों की सुविधा प्रदान करता है। खेलकूद विभाग के प्रभारी **श्री सन्त कुमार मीणा** (वनस्पतिशास्त्र) है।

महाविद्यालय में खेलों का प्रबंध क्रीड़ा समिति करती है। क्रिकेट, बेडमिटन, टी.टी. व टेनिस के लिए पृथक शुल्क देना होगा। बैडमिंटन व टेनिस के खिलाड़ी अपना रेकिट स्वयं लायेंगे। योग्य खिलाड़ियों को अन्तर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर भी मिलता है।

नेचर क्लब
NATURE CLUB

विद्यार्थियों को प्रर्यावरण के प्रति जागरूक करने , महाविद्यालय को हरीतिमा युक्त बनाने एवं पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए महाविद्यालय में डॉ. **अनिमा रानी राठौड़** (प्रवक्ता चित्रकला) के निर्देशन में एक नेचर क्लब संचालित है।

युवा विकास केन्द्र एवं परामर्श ब्यूरो
(Youth Development Centre & Student Advisory Bureau)

राज्य सरकार के निर्देशानुसार राज्य के महाविद्यालयों में युवाओं को रोजगार हेतु कौशल सम्पन्न बनाकर उन्हें सक्षम बनाने व कैरिअर काउन्सिलिंग प्रदान करने हेतु युवा विकास केन्द्रो की स्थापना की गई है।

राज्य सरकार के निर्देशानुसार 20 घण्टे के अनिवार्य पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अन्तिम वर्ष के सभी विद्यार्थियों को इस केन्द्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों व गतिविधियों में भाग लेना अनिवार्य है। केन्द्र द्वारा संचालित कार्यक्रमों व गतिविधियेां में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण–पत्र वितरित किए जाते है।

महाविद्यालय में संचालित युवा विकास केन्द्र के संयोजक **डॉ. देवीशंकर शर्मा** (प्रवक्ता जीवन विज्ञान व जैन विद्या) हैं। केन्द्र में पंजीकरण करवाने हेतु विद्यार्थी इनसे सम्पर्क करें।

- विद्यार्थियों के कैरिअर सम्बन्धी, छात्रवृति, सरकारी सेवा, उच्च अध्ययन एवं अन्य उपक्रमों का उपयुक्त मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु महाविद्यालय में विद्यार्थी परामर्श ब्यूरो संचालित है। इसके संयोजक **डॉ. एन.एल.सोनी** (प्रवक्ता–व्या.प्रशासन) है।

विद्यार्थी निम्नलिखित जानकारी ब्यूरो से प्राप्त कर सकते है :–

1. शैक्षणिक, विषय चयन, छात्रवृति, शुल्क मुक्ति, सह–शैक्षणिक व शिक्षणत्तर गतिविधियों से सम्बन्धित जानकारी।
2. विभिन्न प्रतियोगिता व प्रवेश परीक्षाओं के आयोजन सम्बन्धी जानकारी।
3. उच्च अध्ययन के अवसर, रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित जानकारी।
4. विद्यार्थियों की व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान के लिए परामर्श।

वर्द्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

1. स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम ;B.A./B.Com) कला एवं वाणिज्य वर्ग (पाठ्यक्रम की अवधि 3 वर्ष)
2. स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (M.A.) (1) अर्थशास्त्र (2) इतिहास (3) राजनीति विज्ञान (4) हिन्दी (पाठ्यक्रम की अवधि 2 वर्ष)
3. शिक्षा में स्नातक उपाधि (B.ed) (पाठ्यक्रम की अवधि 2 वर्ष)
4. प्रबन्ध पाठ्यक्रम –
   (1) व्यवसायिक प्रबन्ध में स्नातकोत्तर उपाधि (M.B.A.) (पाठयक्रम की अवधि 3 वर्ष)
   (2) मानव संसाधन प्रबन्ध मे स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMM) (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष)
   (3) विपणन प्रबन्ध मे स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDMM) (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष)
   (4) वित्तीय प्रबन्ध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDFM) (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष)
5. पत्रकारिता (जनसंचार) में स्नातक उपाधि कार्यक्रम पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष)
6. पत्रकारिता (जनसंचार) में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (पाठ्यक्रम की अवधि 2 वर्ष)
7. संस्कृति एवं पर्यटन में डिप्लोमा (D.C.C.T) (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष 6 माह)
8. पुस्तकालय विज्ञान में डिप्लोमा (D.L.C.) (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष)
9. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक O (B.L.C.) (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष)
10. श्रम कानून, औधोगि सम्बन्ध एवं कार्मिक प्रबन्ध में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (PGDLL) (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष)
11. होटल प्रबंध एवं पर्यटन में डिप्लोमा (THM) (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष)
12. स्वास्थ्य शिक्षा एवं पोषण में डिप्लोमा (DNHE) (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष)
13. भोजन एवं पोषण में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम (CFN) (पाठ्यक्रम की अवधि 6माह)
14. कार्यालय प्रबन्ध में कम्प्यूटर डिप्लोमा (DCO) (पाठ्यक्रम की अवधि 1 वर्ष)
15. कम्प्यूटर ज्ञान एवं प्रशिक्षण का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (CTB) (पाठ्यक्रम की अवधि 6 माह)
16. संस्कृति एवं पर्यटन में प्रमाण का कार्यक्रम (CCT) (पाठ्यक्रम की अवधि6 माह)
17. कम्प्यूटर में प्रमाण–पत्र कार्यक्रम (CIC) (पाठ्यक्रम की अवधि 6 माह)
18. पंचायतीराज प्रोजेक्ट, कार्यक्रम (पाठ्यक्रम की अवधि 6 माह)
19. राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति में प्रमाण–पत्र (पाठ्यक्रम की अवधि 6माह)
20. पी.एच.डी. उपाधि (Ph.D) (पाठ्यक्रम की अवधि 2 वर्ष 6 माह)
21. महिलाओं के लिए वैद्यानिक बोध

विश्वविद्यालय मान्यता :

यू.जी.सी. नई दिल्ली द्वारा आदेश FI-52/2000(CCP-II) दिनांक 2 नवम्बर 2004 के अनुसार यू.जी.सी. अधिनियम 1956 सेक्शन 22 (एफ) के अनुसार सभी प्रकार के सर्टिफिकेट डिप्लोमा डिग्री देने के लिए अधिकृत है। यू.जी.सी. के अनुसार व.म.खु. वि.वि. द्वारा मुक्त/दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्रदान की गई सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, डिग्री परम्परागत विश्वविद्यालयों के सिर्टिफिकेट, डिप्लोमा डिग्री के समकक्ष मानी जायेगी।

नोट : विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश आवेदन पत्र एवं परीक्षा हेतु विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत अध्ययन केन्द्र सेठ बुद्धमल दूगड़ राजकीय महाविद्यालय, सरदारशहर से प्राप्त किये जा सकते है। समन्वयक **डॉ. देवीशंकर शर्मा** (प्रवक्ता जीवन विज्ञान व जैन विद्या) है।

परिसर में सुविधाएँ

साइकिल/स्कूटर स्टैण्ड

महाविद्यालय में विद्यार्थियों, प्राध्यापको, कर्मचारियों के लिए साईकिल/स्कूटर /कार स्टैण्ड बने हुए हैं। अपने वाहन की सुरक्षा हेतु विद्यार्थियों को चाहिए कि वे उन्हें निर्धारित स्थान पर खड़ा करे पृथक् स्थान पर साईकिल/स्कूटर/कार रखने पर उसकी सुरक्षा का दायित्व महाविद्यालय का नहीं होगा।

कॉमन रूम

महाविद्यालय में सेमिनार कक्ष के निकट छात्राओं के लिए एक छात्रा कॉमन रूम है।

विविध प्रमाण–पत्र

स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र

महाविद्यालय में स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी को दो रूपये जमा कराके निर्धारित शुल्क के साथ अपना प्रार्थना पत्र शैक्षणिक प्रकोष्ठ में जमा कराने पर स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र प्राप्त किया जा सकेगा।

चरित्र प्रमाण–पत्र

निर्धारित प्रपत्र पांच रूपये निर्धारित शुल्क जमा कराने पर शैक्षणिक प्रकोष्ठ से चरित्र प्रमाण–पत्र प्राप्त किया जा सकेगा। एक बार चरित्र प्रमाण–पत्र देने के पश्चात् सामान्यतः छह माह की अवधि तक दूसरा प्रमाण–पत्र नही दिया जा सकेगा।

डुप्लीकेट परिचय–पत्र

मूल परिचय पत्र खो जाने या नष्ट हे जाने पर डुप्लीकेट परिचय पत्र प्राप्त करने के लिए विद्यार्थी को 50/– रूपये जमा कराने होंगे। विद्यार्थी निर्धारित प्रपत्र में शुल्क रसीद के साथ अपना प्रार्थना पत्र शैक्षणिक प्रकोष्ठ में प्रस्तुत करने के पश्चात् सामान्यतः दो दिनों में शैक्षणिक प्रकोष्ठ से डुप्लीकेट परिचय–पत्र प्राप्त कर सकेगा।

कॉशनमनी लोटाना :

महाविद्यालय में जमा प्रतिभूति धन प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को महाविद्यालय छोड़ने की तीन वर्ष की अवधि के अन्दर–अन्दर निर्धारित प्रपत्र में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करना होगा। तीन वर्ष की अवधि बीतने के पश्चात् राशि महाविद्यालय के राज कोष में विलय कर दी जाएगी।

विविध प्रमाण–पत्र विषयक जानकारी

1. डिग्रियॉ, अंकतालिका (जमा कराई हुई तथा विश्वविद्यालय से प्राप्त) इन्रोलमेन्ट नम्बर महाविद्यालय के शैक्षणिक प्रकोष्ठ से प्राप्त किए सकते हैं।
2. प्रवेश आवेदन फार्म के साथ संलग्न मूल प्रमाण–पत्र, प्रवेश नही होने की स्थिति में 6 माह तक ही महाविद्यालय में शैक्षणिक प्रकोष्ठ से प्राप्त किये जा सकते हैं।

उपस्थिति के नियम : उपस्थिति अनिवार्यता

1. विद्यार्थी को अपनी कक्षा में उपस्थिति के प्रति सतत् सावधान रहना चाहिए। प्रत्येक विषय में अलग अलग 75 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है। न्यूनतम आवश्यक उपस्थिति प्राप्त किये बिना कोई भी विद्यार्थी किसी भी कक्षा की वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित नहीं होगा। उपस्थिति से सम्बन्धित पूर्ण उतरदायित्व विद्यार्थी का होगा। जो विद्यार्थी पूरक परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते है वे अपनी जिम्मेदारी पर अगली कक्षा में प्रवेश ले सकते है। अध्यापन का कार्य दिनांक 02.07.2013 से प्रारम्भ होगा और तभी से उपस्थिति की गणना होगी।
2. महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं आयुक्त कॉलेज शिक्षा राजस्थान जयपुर के मापदण्डों एवं निर्देशों से कम उपस्थिति होने पर विद्यार्थी को वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जा सकता है।
3. उपस्थिति की गणना राज्य सरकार/विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार की जाएगी।
4. जिन विषयों में प्रायोगिक (Practical) कक्षाएं भी होती है, उन कक्षाओं में उपस्थिति की गणना अलग से की जायेगी।
5. जो विद्यार्थी एक माह तक अथवा अधिक समय तक अपनी कक्षा में निरन्तर अनुपस्थित रहता है, उसका प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।
6. प्रत्येक टर्म के अन्त में उपस्थिति की सूचना महाविद्यालय के सूचना–पट्ट पर लगाई जाएगी। विद्यार्थी सूचना–पट्ट देखें। सूचना प्राप्त न होने का दायित्व महाविद्यालय का नहीं होगा।

संकाय सदस्यों की सूची

प्राचार्य	:	प्रो. ईश्वरराम जांगिड़
उप–प्राचार्य	:	डॉ.वी.वी.बड्थ्वाल
वाणिज्य संकाय –		
लेखा एवं व्यवसायिक सांख्यिकी	:	1. डॉ. संजीव कुमार बंसल
व्यवसाय प्रबंध	:	1. डॉ. एन.एल.सोनी
आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंध	:	1. रिक्त
कला संकाय		
हिन्दी	:	1. डॉ. पुष्पा बड्थ्वाल
	:	2. डॉ. चेतन दास स्वामी
अंग्रेजी	:	1. श्री नवीन पारीक
	:	2. रिक्त
संस्कृत	:	1. डॉ. कविता शर्मा
	:	2. डॉ. सुमित्रा शर्मा
राजनीति विज्ञान	:	1. रिक्त
समाजशास्त्र	:	1. रिक्त
लोकप्रशासन	:	1. डॉ. सुमन सिंह
अर्थशास्त्र	:	1. श्री शेर सिंह
भूगोल	:	1. श्री जगबीर सिंह
	:	2. रिक्त
इतिहास	:	1. रिक्त
चित्रकला	:	1. डॉ. अनिमा रानी राठौड़
	:	2. श्री सोहन लाल
जैन विद्या एवं जीवन विज्ञान (जैनोलॉजी)	:	1. डॉ. देवीशंकर शर्मा
विज्ञान संकाय :–		
रसायन शास्त्र	:	1. डॉ. योगेश चाहर
		2. श्री अमरचन्द कुमावत
वनस्पति शास्त्र	:	1. श्री सन्त कुमार मीणा
		2. रिक्त
प्राणीशास्त्र	:	1. रिक्त
	:	2. रिक्त
गणित	:	1. श्री कृष्णप्रताप मीणा
भौतिकशास्त्र	:	1. रिक्त
पुस्तकालयाध्यक्ष	:	1. श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव
शारीरिक शिक्षा अनुदेशक	:	1. रिक्त

कार्यालय कर्मचारी की सूची

1. श्री लक्ष्मणसिंह राठौड़	:	सहायक लेखा अधिकारी
2. श्री कृष्ण कुमार आचार्य	:	वरिष्ठ लिपिक
3. श्री श्रीकृष्ण सैनी	:	कनिष्ठ लिपिक
4. श्री राजेन्द्र कुमार चौधरी	:	कनिष्ठ लिपिक
5. रिक्त	:	कनिष्ठ लिपिक
6. रिक्त	:	प्रयो.सहा.रसा.प्राणी.शा.
7. रिक्त	:	प्रयो.सहा.वनस्पति.शास्त्र
8. रिक्त	:	पुस्तक प्रेष्य
9. रिक्त	:	पुस्तक प्रेष्य
10.रिक्त	:	पुस्तक प्रेष्य
11.श्री इन्द्रचन्द स्वामी	:	प्रयो. प्रेष्य
12.श्री लीलाधर	:	प्रयो. प्रेष्य
13.रिक्त	:	एनीमल कैचर
14.रिक्त	:	जमादार
15.श्री राजेन्द्रकुमार शर्मा	:	च.श्रे.कर्मचारी
16.श्री समुन्द्र भाट	:	च.श्रे.कर्मचारी
17.श्री राजकुमार भाट	:	च.श्रे.कर्मचारी
18.श्री करणीसिंह	:	च.श्रे.कर्मचारी
19.श्रीमती सोनी देवी	:	च.श्रे.कर्मचारी
20.श्री मांगीलाल पारीक	:	अंशकालीक च.श्रे.कर्मचारी